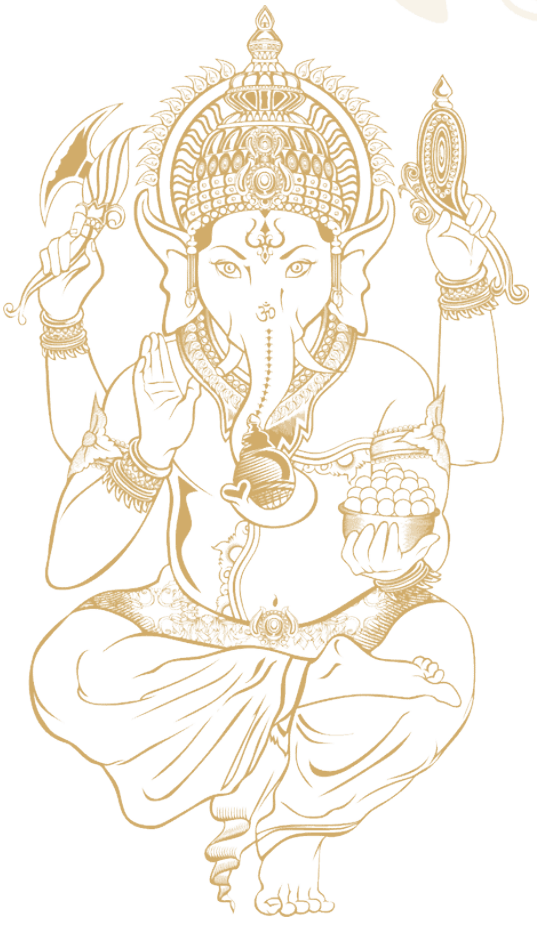

Naveen

Priya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121863904

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/11/1991	जन्म तिथि	01/07/1993
गुरुवार	दिन	गुरुवार
घंटे 21:35:00	जन्म समय	10:00:00 घंटे
घटी 39:37:33	जन्म समय(घटी)	12:44:00 घटी
India	देश	India
Bhatpara	स्थान	Kalyan
22:51:00 उत्तर	अक्षांश	19:17:00 उत्तर
88:31:00 पूर्व	रेखांश	73:11:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:24:04	स्थानिक संस्कार	-00:37:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:43:58	सूर्योदय	06:02:58
16:55:09	सूर्यास्त	19:19:04
23:44:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:15

विंशोत्तरी शनि 16वर्ष 6मा 9दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी शनि 8वर्ष 4मा 4दि
केतु	29:59:28	मिथु	लग्न	सिंह	07:59:38	शुक्र
18/05/2025	20:59:59	तुला	सूर्य	मिथु	15:35:19	04/11/2025
17/05/2032	05:04:11	वृश्चि	चंद्र	वृश्चि	10:48:36	04/11/2045
केतु 14/10/2025	21:13:20	तुला	मंगल	सिंह	10:47:50	शुक्र 06/03/2029
शुक्र 14/12/2026	10:43:48	वृश्चि	बुध	कर्क	04:28:42	सूर्य 06/03/2030
सूर्य 21/04/2027	16:42:54	सिंह	गुरु	कन्या	12:18:07	चन्द्र 05/11/2031
चन्द्र 20/11/2027	04:34:45	कन्या	शुक्र	वृष	01:04:00	मंगल 04/01/2033
मंगल 17/04/2028	07:22:28	मक	शनि व	कुंभ	06:12:07	राहु 05/01/2036
राहु 05/05/2029	17:29:32	धनु व	राहु	वृश्चि	18:17:44	गुरु 05/09/2038
गुरु 11/04/2030	17:29:32	मिथु व	केतु	वृष	18:17:44	शनि 04/11/2041
शनि 21/05/2031	17:05:41	धनु	हर्ष व	धनु	26:53:31	बुध 04/09/2044
बुध 17/05/2032	20:43:52	धनु	नेप व	धनु	26:17:19	केतु 04/11/2045
	26:19:23	तुला	प्लूटो व	तुला	29:14:03	

लग्न-चलित

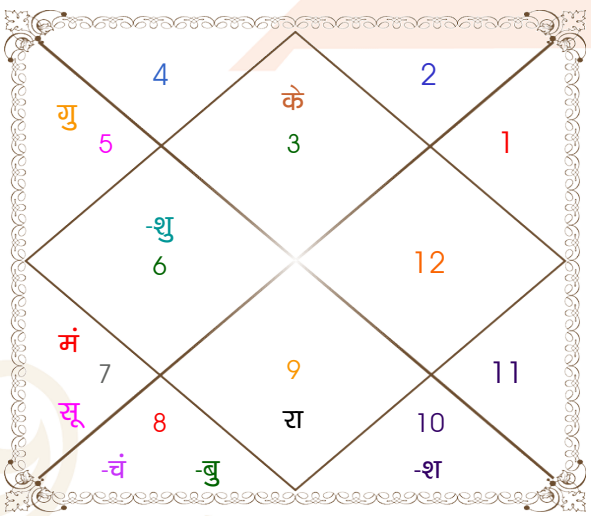

लग्न-चलित

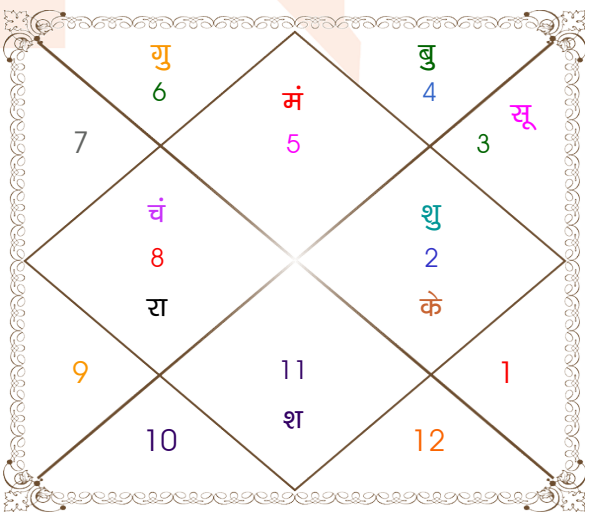

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	कीटक	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मृग	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Naveen का वर्ग सर्प है तथा Priya का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Naveen और Priya का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Naveen मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Priya मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Naveen तथा Priya में मंगलीक मिलान ठीक नही है।

निष्कर्ष

मंगलीक दोष के कारण मिलान ठीक नहीं हैं।